16 राजस्थान के संगीत घराने, कलाकार, गायन शैलियाँ व प्रसिद्ध संगीतज्ञ

1. जयपुर के बीनकार संगीत घराने के प्रवर्तक कौन थे?
(1) रज्जब अली खाँ (2) मनरंग (भूपत खाँ)
(3) रमजान खाँ (4) अल्लादिया खाँ (1)

व्याख्या– बीनकार घराने के प्रवर्तक 'रज्जब अली खाँ बीनकार' थे। जो सवाई रामसिंह द्वितीय के दरबारी संगीतकार थे।

2. निम्न में से कौनसा संगीत ग्रंथ पुण्डरीक विट्ठल द्वारा रचित है ?
(1) रागमाला (2) रागमंजरी
(3) नर्तन निर्णय (4) उक्त सभी (4)

व्याख्या– पुण्डरीक विट्ठल की प्रमुख रचनाएँ रागमाला, रागमंजरी, नर्तन निर्णय व सद्राग चन्द्रोदय आदि हैं।

3. राजस्थान में हवेली संगीत कहाँ का प्रसिद्ध है?
(1) रामदेवरा (2) पुष्कर
(3) नाथद्वारा (4) महावीर जी (3)

व्याख्या– मध्यकाल में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा हिन्दू मंदिरों को नष्ट किए जाने के कारण हवेलियों व घरों में मंदिर स्थापित हुए तथा वहाँ किए जाने वाले कीर्तन, संगीत व ध्रुपद गायकी आगे चलकर 'हवेली संगीत' के नाम से प्रसिद्ध हुए।

4. सदीक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद (लोकरंग) कहाँ पर स्थित है?
(1) जयपुर (2) बाड़मेर
(3) उदयपुर (4) जैसलमेर (1)

व्याख्या– प्रसिद्ध गायक व कड़ताल वादक सदिक खां की स्मृति में 'सदिक खां मांगणियार लोककला व अनुसंधान परिषद' की स्थापना जयपुर में 2002 ई. में की गई।

5. ध्रुपद गायकी का आरंभ किसके शासनकाल में हुआ–
(1) महाराजा अनूपसिंह (2) अलाउद्दीन खिलजी
(3) राजा मानसिंह तोमर (4) महाराणा कुम्भा (3)

व्याख्या– ध्रुपद गायन शैली के जनक ग्वालियर के मानसिंह तोमर को माना जाता है। इन्होंने बैजू बावरा के सहयोग से स्वयं ध्रुपद गायन शैली प्रारम्भ की थी।

6. निम्न में से कौन मांड गायिका है?
(1) गवरी देवी (2) रूकमा मांगणियार
(3) पार्वती जोशी (4) नाथी देवी (1)

व्याख्या– ध्यान रहे राजस्थान में गवरी देवी नाम की दो मांड गायिकाएँ हुई हैं। गवरी देवी (पाली)– यह भैरवी युक्त मांड गायकी के लिए प्रसिद्ध हैं। गवरी देवी (बीकानेर)– इनके माता–पिता बीकानेर राज्य के दरबारी गायक थे, इनका विवाह जोधपुर निवासी मोहनलाल से हुआ था। इन्हे 'मांड मल्लिका' कहा जाता है।

7. मांगणियार एवं लंगा गायन शैली के लोक कलाकारों को प्रख्यात करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
(1) देवीलाल सामर (2) जय नारायण व्यास
(3) गणपत लाल डांगी (4) कोमल कोठारी (4)

8. निम्नलिखित में से किस संगीत का संबध राजस्थान से नहीं है?
(1) भोपा (2) लंगा
(3) बाउल (4) मांगणियार (3)

व्याख्या– बाउल एक प्रकार की लोक गायन शैली है, इसका गायन करने वाले को बंगाल में 'बाउल' कहते हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के प्रसिद्ध गायक हैं?
(1) तुलसीदास (2) जुबेन गर्ग
(3) मामे खान (4) सुंदरराजन (3)

व्याख्या – मामे खाँ जैसलमेर के सत्तु निवासी हैं। इन्होंने मिरज्या व सोन चिरइया जैसी हिन्दी फिल्मों में गायन किया है। वर्ष 2016 में इन्हें बेस्ट टेड्रीशनल फॉक सॉन्ग के लिए GIMA अवॉर्ड मिल चुका है।

10. अधोलिखित को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

संगीत घराना	प्रवर्तक
1. डागरा घराना	1. बहराम खाँ
2. जयपुर घराना	2. मनरंग
3. मेवाती घराना	3. नजीर खाँ
4. अतरौली घराना	4. अल्लादिया खाँ

कूट :
(1) केवल 2 सुमेलित है। (2) केवल 3 सुमेलित है
(3) केवल 1 व 2 सुमेलित है (4) सभी सुमेलित है। (4)

11. निम्नलिखित में से कौनसी गायकी 'लोक गायकी' की श्रेणी में सम्मिलित नहीं है?
(1) ढ़ोला (2) ध्रुपद
(3) आल्हा (4) बारहमासा (2)

व्याख्या – ध्रुपद गायनशैली के जनक ग्वालियर के शासक मानसिंह तोमर का माना जाता है। यह गायन शैली चार खण्डों में विभक्त है। राज्य की एक मात्र ध्रुपद गायिका मधुभट्ट तैलंग है।

12. कंठगायन की कला में प्रतिष्ठित किस कलाकार को 2012 में 'राजस्थान रत्न' से सम्मानित किया गया?
(1) जगजीत सिंह (2) लक्ष्मी कुमारी चूंडावत
(3) कोमल कोठारी (4) पंडित उदय शंकर (1)

व्याख्या– जगजीत सिंह का जन्म श्रीगंगानगर में हुआ था। इन्हें वर्ष 2003 में पद्म भूषण व वर्ष 2012 में (मरणोपरांत) राजस्थान रत्न मिला।

13. 'केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश' को कौन से राग में सर्वाधिक प्रसिद्ध मिली?
(1) मांड (2) मारू
(3) सोरठ (4) सिन्धु (1)

14. जोधपुर घराने के प्रवर्तक है?
(1) रज्जब अली (2) भूपत खाँ
(3) सदारंग खाँ (4) रमजान खान (4)

व्याख्या– जोधपुर घराने को 'रंगीला घराना' भी कहा जाता है, इसके प्रवर्तक रमजान खान रंगीले थे, जो जोधपुर के गायक इमाम बक्श के शिष्य थे।

15. प्रसिद्ध संगीतज्ञ 'पुण्डरिक विट्ठल' जयपुर के किस शासक के आश्रित कवि थे?
(1) सवाई प्रताप सिंह (2) सवाई जय सिंह
(3) माधोसिंह प्रथम (4) माधोसिंह द्वितीय (4)

व्याख्या– पुण्डरिक विट्ठल की रचनाएँ– रागमाला, राजमंजरी, नर्तन निर्णय, सद्राग चन्द्रोदय।

16. राजस्थान के किस प्रसिद्ध भजन गायक को 2020 में पदमश्री दिया गया है?
(1) मामे खान (2) मुन्ना मास्टर
(3) गणपत लाल डांगी (4) सद्दीक खान (2)

व्याख्या– मुन्ना मास्टर बगरू जयपुर के निवासी है। ये प्रसिद्ध भजन गायक है। इन्हें 2020 में 'पद्मश्री' पुरस्कार मिला।

17. निम्न में से असंगत युग्म है?
(1) लंगा गायकी – करौली
(2) मांड गायकी – जैसलमेर
(3) हवेली संगीत – राजसमंद
(4) ताल बंदी गायकी – सवाई माधोपुर (1)

व्याख्या– लंगा गायकी पश्चिम राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर व बीकानेर में लंगा जाति द्वारा विभिन्न उत्सवों व अवसरों पर गाई जाती है।

18. ध्रुपद गायकी के चार खण्डों में से असंगत युग्म है?
(1) गोहरहारी वाणी – तानसेन
(2) डागुर वाणी – बृजनंद डागर
(3) खण्डारवाणी – समोखन सिंह
(4) नौहरवाणी – गजसिंह (4)

व्याख्या– नौहरवाणी के जनक 'श्रीचन्द नौहर' को माना जाता है व इसकी उत्पत्ति जयपुर में हुई।

19. बीनकार घराना के प्रर्वतक 'रज्जब अली बीनकार' किस शासक के दरबारी संगीतकार थे?
(1) सवाई रामसिंह द्वितीय (2) मानसिंह
(3) गजसिंह (4) रामसिंह (1)

20. 1965 के भारत पाक युद्ध के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ आकाशवाणी पर प्रसारित धारावाहिक 'लड़े सूरमा आज जी' किस संगीतज्ञ द्वारा रचित था?
(1) गणपत लाल डांगी (2) पं. विश्व मोहन भट्ट
(3) जगजीत सिंह (4) रेशमा (1)

व्याख्या– जोधपुर के गणपत लाल डांगी को 'अभिनय, गायन व लोक गायन की त्रिवेणी' कहा जाता हैं। लड़े सूरमा आज जी का प्रसारण भारत–पाक युद्ध के दौरान आकाशवाणी धारावाहिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ।

21. अल्लाह जिलाई बाई के बारे में असत्य कथन है–
(1) बचपन में इन्होंने उस्ताद हुसैन बक्श से शिक्षा ली थी।
(2) महाराजा गंगासिंह ने 'बीकानेर म्यूजिकल स्कूल' में भर्ती करवाया।
(3) इन्हे 1982 में 'पद्मश्री' सम्मान मिला।
(4) 2010 में इन पर 5 रु. का डाकटिकट जारी हुआ। (4)

व्याख्या– अल्लाह जिलाई बाई पर 29 दिसम्बर 2003 को 5 रूपए का डाक टिकट जारी किया गया था।

22. पं. विश्वमोहन भट्ट के बारे में असत्य कथन है–
(1) ये जयपुर के प्रसिद्ध सितार वादक है।
(2) इन्होंने नई राग 'गौरीम्मा' का सृजन किया।
(3) इन्होंने 'मोहनवीणा' नाम का नया वाद्य यंत्र बनाया।
(4) इन्हे 2017 में 'पद्मश्री' पुरस्कार दिया गया था। (4)

व्याख्या– इन्हे 2002 में पद्मश्री सम्मान तथा 2017 में पद्म भूषण सम्मान प्राप्त हुआ है।

23. निम्न में से असंगत युग्म है–
(1) गजानन वर्मा – रतनगढ़ (चुरू)
(2) रूकमा मांगणियार – बाड़मेर
(3) गवरी देवी – पाली
(4) कोमल कोठारी – उदयपुर (4)

व्याख्या– कोमल कोठारी का जन्म 4 मार्च 1929 ई. को कपासन (चित्तौड़गढ़) में हुआ। इन्होंने बोरून्दा (जोधपुर) में 'रूपायन संस्थान' की स्थापना की।

24. उदयपुर के किस प्रसिद्ध संगीतज्ञ को 'भारतीय बैले का जनक' कहा जाता है?
(1) पं. उदयशंकर (2) गजानन वर्मा
(3) जगजीत सिंह (4) मुन्ना मास्टर (1)

25. किस शासक को 'अभिनव भरताचार्य' व 'नंदिकेश्वरावतार' की उपाधियाँ मिली?
(1) महाराणा कुम्भा (2) सवाई प्रतापसिंह
(3) बीसलदेव (4) हम्मीदेव चौहान (1)

व्याख्या– महाराणा कुम्भा को यह उपाधियाँ उनके संगीत प्रेम व उनकी निम्न रचनाओं के कारण मिली–
संगीतराज, संगीत मीमांसा, सूड़ प्रबन्ध व रसिक प्रिया (गीत गोविन्द की टीका) आदि।

26. तबला व सितार का आविष्कारक किसे माना जाता है?
(1) बदायूँनी (2) गुलबदन बेगम
(3) अबुल फजल (4) अमीर खुसरो (4)

व्याख्या– अमीर खुसरो अलाउद्दीन खिलजी के दरबारी संगीतज्ञ थे। इनका जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ। तबला व सितार के आविष्कार के साथ संगीत के क्षेत्र में भी ईरानी व भारतीय गायन शैलियों के समन्वय से गायन की एक नई शैली 'कव्वाली' प्रारम्भ की।

27. दिल्ली घराने के प्रवर्तक माने जाते हैं?
(1) सदारंग खाँ/नियामत खाँ (2) रमजान खाँ/रज्जू खाँ
(3) बहराम खाँ (4) सूरत सेन (1)

28. रंगीला घराना कहाँ स्थित है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) उदयपुर (2)

29. मेवाती घराने का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
(1) अल्लादिया खाँ (2) साहब खाँ
(3) किशोर अमोणकर (4) घग्घे नजीर खाँ (4)

Dhindhwal Publication Lead, Read and Achieve

व्याख्या– मेवाती घराने के संस्थापक घग्घे नजीर खाँ, जोधपुर महाराजा जसवंत सिंह के दरबारी गायक थे। इन्होंने जयपुर की ख्याल गायिकी को ही विशिष्ट शैली में विकसित कर मेवाती घराने को प्रारंभ किया।

30. किस घराने को सितारियों का घराना भी कहते हैं–
(1) अतरौली घराना (2) सहारणपुर घराना
(3) पटियाला घराना (4) सेनिया घराना (4)

31. निम्न में से असंगत युग्म है–
(1) दिल्ली घराना – सदारंग खाँ
(2) मथुरा घराना – महताब खाँ
(3) जयपुर घराना – मनरंग खाँ
(4) पटियाला घराना – तानसेन (4)

व्याख्या– पटियाला घराने के प्रवर्तक फतेह अली व अली बक्श हैं, जो आलिया–फत्तू के नाम से भी जाने जाते हैं। यह जयपुर घराने की ही उपशाखा है।

32. निम्न में से असंगत युग्म है–
(1) बीनकार घराना – रज्जब अली
(2) अतरौली घराना – अल्लादिया
(3) सेनिया घराना – तानसेन
(4) डागर घराना – बहराम खाँ (3)

व्याख्या– सेनिया घराने के प्रवर्तक तानसेन के पुत्र सूरत सेन को माना जाता है। इसे 'सितारियों का घराना' भी कहा जाता है।

33. मोगू बाई कुर्डीकर, केसर बाई केरगर, मंजी खाँ व भुर्जी खाँ का संबंध किस घराने से है?
(1) उदयपुर (2) जोधपुर
(3) सेनिया (4) जयपुर (4)

34. निम्न में से ध्रुपद गायन शैली के चार खण्डों के बारे में असत्य कथन है?
(1) गोहरहारी वाणी की उत्पत्ति ग्वालियर में हुई।
(2) डागुर वाणी की उत्पत्ति उदयपुर में हुई।
(3) खण्डार वाणी की उत्पत्ति उनियारा (टोंक) में हुई।
(4) नौहरवाणी की उत्पत्ति जयपुर में हुई। (2)

व्याख्या– डागुर वाणी की उत्पत्ति जयपुर से मानी जाती है। इसके प्रवर्तक बृजनंद डागर थे।

35. निम्न में से किसका मांड गायिकी से सम्बन्ध नहीं है?
(1) गवरी देवी (2) जमीला बानो
(3) बन्नो बेगम (4) मधुभट्ट तैलंग (4)

व्याख्या– मधुभट्ट तेलंग का संबंध ध्रुपद गायन शैली से है।

36. निम्न में से असत्य कथन है–
(1) मांगणियार गायकी में मुख्यतः कामायचा और खड़ताल वाद्य यंत्रों का प्रयोग होता है।
(2) लंगा गायकी में मुख्यतः सारंगी का प्रयोग किया जाता है।
(3) ताल बंदी गायकी में हारमोनियम व तबले का प्रयोग होता है।
(4) फड़ गायकी में वाद्य यंत्र का प्रयोग निषेध है। (4)

व्याख्या– फड़ गायकी में कई तरह के वाद्य यंत्रों का प्रयोग मिलता है। फड़ लोकदेवताओं की कपड़े पर चित्रित कथाओं को गायन करने की कला है।

37. किस गायन शैली में भोपा कलाकार वाद्य यंत्र बजाता हुआ गाता है, तथा भोपी हाथ में लालटेन लिए हुए लकड़ी की डंडी से पर्दे के चित्रों को दिखाती है?
(1) ताल बंदी (2) हवेली संगीत
(3) फड़ गायकी (4) ध्रुपद गायकी (3)

व्याख्या– लोकदेवताओं की कपड़े पर चित्रित कथाओं को विशेष रूप से शाहपुरा में चित्रित किया जाता है। शाहपुरा में चित्रित इन फड़ों से राजस्थान का भोपा समुदाय पूरे राजस्थान में लोक आस्था के अनुसार अलग–अलग वाद्य यंत्रों के साथ इनका गायन करते हैं।

38. गुर्जरों की एक उपजाति, जो रावणहत्था बजाने के साथ राधाकृष्ण के गीत गाते हैं?
(1) कानगुजरी (2) वैरागी
(3) जोगी (4) भोपा (1)

39. नाथ सम्प्रदाय के अनुयायी जो वैरागी जीवन व्यतीत करते हुए गोपीचंद भतृहरि के गीत गाते हुए घर–घर घुमकर अपना जीवन निर्वाह करते हैं?
(1) जोगी (2) बैरागी
(3) मिरासी (4) राणा (1)

40. भवाई नृत्य में माहिर जाति भवाई की उत्पत्ति मानी जाती है?
(1) ब्यावर (अजमेर) (2) केकड़ी (अजमेर)
(3) किशनगढ़ (अजमेर) (4) बगरू (जयपुर) (2)